A–0168

Total Pages : 2 **Roll No. .....**

BAJY (N)-330

भारतीय वास्तुशास्त्राधारित गृहनिर्माण विवेचन

Examination February, 2026

Time : 2:00 Hrs. Max. Marks : 70

नोट :– यह प्रश्न-पत्र सत्तर (70) अंकों का है, जो दो (02) खण्डों 'क' तथा 'ख' में विभाजित है। प्रत्येक खण्ड में दिए गए विस्तृत निर्देशों के अनुसार ही प्रश्नों को हल करना है। ***परीक्षार्थी अपने प्रश्नों के उत्तर दी गई उत्तर-पुस्तिका तक ही सीमित रखें। कोई अतिरिक्त (बी) उत्तर-पुस्तिका जारी नहीं की जायेगी।***

खण्ड–क

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न (2×19=38)

नोट :– खण्ड 'क' में पाँच (05) दीर्घ उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए उन्नीस (19) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **दो** (02) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. शास्त्रोक्त दृष्टि से गृहकक्ष विन्यास की स्थिति का विस्तार से उल्लेख कीजिए।

2. शिलान्यास की विधि का विस्तृत विवेचन कीजिए।

3. गृहारम्भ विधि का शास्त्रीय विवेचन कीजिए।

4. गृहनिर्माण में राहु-मुख-पुच्छ विचार पर विस्तार से प्रकाश डालिए।

5. वृषवास्तु-चक्र निर्माण करके गृहनिर्माण की उपयोगिता सिद्ध कीजिए।

खण्ड–ख

लघु उत्तरीय प्रश्न (4×8=32)

नोट :– खण्ड 'ख' में आठ (08) लघु उत्तरीय प्रश्न दिये गये हैं, प्रत्येक प्रश्न के लिए आठ (08) अंक निर्धारित हैं। शिक्षार्थियों को इनमें से केवल **चार** (04) प्रश्नों के उत्तर देने हैं।

1. गृह निर्माण में शैचालय का स्थान निर्धारित कीजिए।

2. द्वार विचार दिशानुसार कीजिए।

3. कुम्भ चक्र पर प्रकाश डालिए।

4. मुहूर्त की उपयोगिता सिद्ध कीजिए।

5. प्रधान गृहपति के कक्ष का निर्धारिण कीजिए।

6. शिलान्यास की वैज्ञानिकता सिद्ध कीजिए।

7. खात प्रविधि में राहु-मुख पुच्छ विचार क्यों आवश्यक है।

8. गृह निर्माण में ब्रह्मस्थान का निर्धारण कीजिए।

****